गिफ्टेबल्ड फाउंडेशन व्यापक दिव्यांग पुनर्वास योजना, उत्तर प्रदेश

Gift Abled
Fostering Inclusion

Impact Summit 2025
Where CSR Meets Rural Immersion

गिफ्टएबल्ड इम्पैक्ट समिट 2025

6 फरवरी 2025 को इम्पैक्ट समिट 2025 के प्रतिभागियों ने ग्रामीण विसर्जन कार्यक्रम के अंतर्गत चार गांवों का दौरा किया, जिससे उन्हें एक समृद्ध अनुभव प्राप्त हुआ। इस यात्रा ने जमीनी वास्तविकताओं, स्थानीय नवाचारों और समुदाय द्वारा संचालित परिवर्तनों के बारे में गहन अंतर्दृष्टि प्रदान की।

📍 यात्रा के प्रमुख अंश:
✅ ग्रामीणों के साथ मिलकर उनकी दैनिक चुनौतियों और आकांक्षाओं को समझा गया। ✅ शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और आजीविका में स्थानीय पहलों की खोज की गई। ✅ सीएसआर परियोजनाओं के लाभार्थियों के साथ संवाद किया गया और वास्तविक प्रभाव का अवलोकन किया गया। ✅ सतत विकास और दीर्घकालिक समर्थन के अवसरों की पहचान की गई।

इस गहन यात्रा ने सार्थक सामाजिक प्रभाव उत्पन्न करने में सहयोगात्मक कार्रवाई के महत्व को और अधिक स्पष्ट किया। समुदायों को उनके उदार आतिथ्य और अमूल्य अंतर्दृष्टि के लिए धन्यवाद! 🤝✨

इम्पैक्ट समिट 2025: समावेशन की ओर तेज़ कदम

इम्पैक्ट समिट 2025 में, हमें "विकास में तेजी लाना: दिव्यांग व्यक्तियों के लिए अवसरों को खोलना" विषय पर एक पैनल चर्चा आयोजित करने का अवसर प्राप्त हुआ। इस सत्र का संचालन रश्मि विक्रम, चीफ इक्विटी ऑफिसर, एपीएसी, डेंटसु द्वारा किया गया, जिसमें वास्तविक परिवर्तन लाने के लिए प्रतिबद्ध प्रभावशाली आवाज़ें एकत्रित हुईं।

हमारे प्रतिष्ठित पैनलिस्ट थे:

श्री अखिलेन्द्र कुमार, महापरिषद के सदस्य, AYJNISHD, मुंबई

श्री शिवांक सिंह, मानव संसाधन के प्रमुख, टाटा पावर

डॉ. रक्षा, सहायक प्रोफेसर, सिद्धार्थ विश्वविद्यालय

समावेशन को बढ़ावा देने के लिए प्रमुख रणनीतियों पर ध्यान केंद्रित करें, जिनमें शामिल हैं:

✅ बाधाओं को पार करना – प्रणालीगत चुनौतियों का सामना करना और समावेशी नीतियों का समर्थन करना।
✅ शिक्षा और रोजगार – कौशल विकास, व्यावसायिक प्रशिक्षण और कार्यस्थल की पहुंच का विस्तार करना।
✅ प्रौद्योगिकी और पहुंच - स्वतंत्रता और समान अवसरों को सृजित करने के लिए सहायक तकनीकों का उपयोग करना।
✅ परिवर्तन के लिए सहयोग - स्थायी प्रभाव को बढ़ाने हेतु व्यवसायों, गैर सरकारी संगठनों और नीति निर्माताओं को एकजुट करना।

चर्चा व्यावहारिक, समाधान-उन्मुख और प्रेरणादायक थी, जिसने यह बल प्रदान किया कि समावेशन केवल एक लक्ष्य नहीं है, बल्कि एक जिम्मेदारी है।

इस उत्कृष्ट वार्तालाप में योगदान देने वाले हमारे मॉडरेटर्स और पैनलिस्टों का हार्दिक धन्यवाद।

आइए हम बाधाओं को तोड़ते रहें, अवसरों को अनलॉक करें, और वास्तव में समावेशी भविष्य का निर्माण करें!

इम्पैक्ट समिट 2025: सीएसआर से प्रभाव तक – परिवर्तन की नई दिशा

इम्पैक्ट समिट 2025 में, हमने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) की पारंपरिक धारणाओं से परे जाकर यह अन्वेषण किया कि व्यवसाय कैसे अनुपालन-आधारित पहलों से प्रभाव-आधारित परिवर्तनकारी पहलों में परिवर्तित हो सकते हैं।

हमारे आकर्षक पैनल का संचालन सिस्को के ग्लोबल एक्स्ट्रानेट सर्विस मैनेजर, हातिम दवासाज़ ने किया, जिसमें निम्नलिखित विषयों पर गहन विचार प्रस्तुत किए गए:

- 🔹 सुजा वारियर – डायरेक्टर एकेडेमिया, WEQUITY
- 🔹 हेडी रिंग – ग्लोबल हेड ऑफ कम्युनिटी इम्पैक्ट, एमेडियस
- 🔹 हरीश डीके – कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी मैनेजर, टाटा कम्युनिकेशंस

🔑 प्रमुख बिंदु:

दायित्व से स्वामित्व तक – सीएसआर को वार्षिक अधिदेशों से परे जाकर व्यवसाय रणनीति का एक अनिवार्य तत्व बनना चाहिए।
✅ इनपुट के स्थान पर प्रभाव का मूल्यांकन – वास्तविक परिवर्तन दीर्घकालिक परिणामों से संबंधित है, न कि केवल दान की मात्रा या स्वयंसेवक घंटों की संख्या से।
✅ अभिनव साझेदारियां - जब कॉर्पोरेट, गैर सरकारी संगठन और सरकारें साझा लक्ष्यों के साथ कार्यक्रम विकसित करती हैं, तब स्थायी समाधान उत्पन्न होते हैं।
✅ समुदायों को सशक्त बनाना - सीएसआर को क्षमता विकास और आत्मनिर्भरता पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, न कि केवल तात्कालिक सहायता पर।

सीएसआर अब केवल अनुपालन की जांच का एक साधन नहीं रह गया है: यह प्रणालीगत परिवर्तन लाने, साझा मूल्य उत्पन्न करने और स्थायी प्रभाव डालने का एक अवसर बन गया है।

एक प्रेरक संवाद के लिए हमारे मॉडरेटर और पैनलिस्टों का हार्दिक धन्यवाद! 🚀 आइए CSR को एक दायित्व से परिवर्तन के आंदोलन में परिवर्तित करें।

इम्पैक्ट समिट 2025: सामाजिक बदलाव के लिए एआई की शक्ति

इम्पैक्ट समिट 2025 में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर एक अविश्वसनीय सत्र था, जिसका नेतृत्व माइक्रोसॉफ्ट के दो प्रतिभाशाली लोगों ने किया! 🌍💡

अनन्या दीक्षित - सॉफ्टवेयर इंजीनियर, माइक्रोसॉफ्ट शिवम राणा - वरिष्ठ सॉफ्टवेयर इंजीनियर, माइक्रोसॉफ्ट

कार्यशाला में निम्नलिखित विषयों पर विमर्श किया गया:

✅ सामाजिक कल्याण के लिए AI-आधारित समाधान
✅ नैतिक AI और जिम्मेदार नवाचार
✅ समुदायों को परिवर्तित करने वाले वास्तविक जीवन के अनुप्रयोग

साझा की गई ऊर्जा, जुड़ाव और अंतर्दृष्टि वास्तव में प्रेरणादायक थी! इतना प्रभावशाली सत्र आयोजित करने के लिए Microsoft टीम और सभी प्रतिभागियों को उनके उत्साह के लिए हार्दिक धन्यवाद। 💙

समावेशन की यात्रा में साहस और उम्मीद

इम्पैक्ट समिट 2025 में, हमें कमरे में सबसे प्रभावशाली आवाज़ों को सुनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ, गिफ्टएबल्ड में हमारे बच्चों की माताएँ। उन्होंने साहसपूर्वक अपनी गहन व्यक्तिगत और प्रेरक यात्राएँ साझा कीं, और हर दिन उनके द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियों और सफलताओं पर प्रकाश डाला।

ऐसी दुनिया में जहाँ उनके संघर्षों पर अक्सर ध्यान नहीं दिया जाता, इन माताओं ने असाधारण लचीलापन और शक्ति का प्रदर्शन किया है। उनकी कहानियों में यह स्पष्ट रूप से परिलक्षित होता है:

💙 लचीलापन - अपने बच्चों के लिए समावेशी भविष्य का निर्माण करने के लिए अडिग संकल्प के साथ सामाजिक बाधाओं को पार करना।
💙 आशा – एक बच्चे के पहले शब्द से लेकर उसके पहले कदम तक, छोटे लेकिन महत्वपूर्ण मील के पत्थर का उत्सव मनाना।
💙 सामुदायिक शक्ति– गिफ्टएबल्ड पर निरंतर समर्थन प्राप्त करें, जहां चिकित्सा, शिक्षा और भावनात्मक कल्याण एक साथ मिलते हैं।

यह सत्र अत्यंत भावनात्मक और गहन था। इन माताओं ने हमें यह याद दिलाया कि #समावेश केवल एक #नीति नहीं है, बल्कि यह हर बच्चे को महत्व देने, उसका समर्थन करने और #सशक्त बनाने की एक निरंतर प्रतिबद्धता है।

अपनी यात्रा को साझा करने वाली अद्भुत माताओं के लिए, आपका साहस परिवर्तन की क्षमता है।

हर कदम में आत्मनिर्भरता: गिफ्टएबल्ड का वॉकिंग स्टिक वितरण अभियान

गिफ्टएबल्ड ने हाल ही में समावेशी शिक्षा केंद्र (आईईसी) में वॉकिंग स्टिक वितरण अभियान का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य दृष्टिबाधित छात्रों को स्वतंत्रता और आत्मविश्वास की दिशा में आगे बढ़ने में सहायता प्रदान करना था।

गतिशीलता एक मौलिक अधिकार है, और उपयुक्त सहायक उपकरणों की उपलब्धता दृष्टिबाधित छात्रों के दैनिक जीवन में महत्वपूर्ण परिवर्तन ला सकती है। इस पहल के अंतर्गत, हमने विशेष रूप से डिज़ाइन की गई गतिशीलता वॉकिंग स्टिक प्रदान की हैं, जो नेविगेशन, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देती हैं।

वितरण अभियान का उद्देश्य केवल उपकरण उपलब्ध कराना नहीं था, बल्कि सशक्तिकरण को भी बढ़ावा देना था। हमारी टीम ने छात्रों के साथ मिलकर उन्हें छड़ी के प्रभावी उपयोग और गतिशीलता तकनीकों के बारे में मार्गदर्शन प्रदान किया, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे सुरक्षित और स्वतंत्र रूप से चल सकें।

गिफ्टएबल्ड में, हम एक समावेशी और सुलभ समाज की स्थापना के प्रति प्रतिबद्ध हैं। यह पहल दिव्यांग व्यक्तियों को सम्मानजनक और आत्मनिर्भर जीवन जीने में सक्षम बनाने के हमारे मिशन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।
हम अपने समर्थकों और भागीदारों के प्रति गहरी कृतज्ञता व्यक्त करते हैं जिन्होंने इस पहल को संभव बनाया। मिलकर, आइए हम एक ऐसे समाज का निर्माण जारी रखें जहाँ हर कदम महत्वपूर्ण है, और हर व्यक्ति समृद्ध होता है!

बाधाओं को पार करना: केंद्रीय विद्यालय में सांकेतिक भाषा सत्र

सांकेतिक भाषा सत्र के लिए केंद्रीय विद्यालय का हमारा हालिया दौरा समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था। सत्र के दौरान, हमने छात्रों और शिक्षकों के साथ संवाद किया, जागरूकता को बढ़ावा दिया और संचार की सुलभता के महत्व को स्पष्ट किया। इसके अतिरिक्त, हमने अपने IEC (बच्चों के लिए समावेशी शिक्षा) कार्यक्रम के तहत नामांकन प्रक्रिया के संबंध में मूल्यवान जानकारी एकत्र की, यह सुनिश्चित करते हुए कि उन्हें उनकी सीखने की यात्रा के लिए उचित समर्थन और अवसर प्राप्त हों। यह यात्रा सभी बच्चों के लिए एक समावेशी शिक्षण वातावरण बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करती है।

मुख्य विकास अधिकारी के साथ बैठक

मुख्य विकास अधिकारी और जिला दिव्यांग अधिकारी ने हमारे गिफ्टेबल्ड के लाभार्थियों और बच्चों के लिए व्हीलचेयर और ब्रेल क्रिकेट प्रदान करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि सरकार जल्द ही इन आवश्यक संसाधनों को उपलब्ध कराएगी, जिससे दिव्यांगजन और बच्चे अधिक स्वतंत्र और सशक्त महसूस करेंगे। यह पहल समावेशी खेल और सुविधाओं को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगी। साथ ही, उन्होंने दिव्यांगजन के सशक्तिकरण और उनके समग्र विकास के लिए निरंतर सहयोग देने का आश्वासन दिया।

हर बच्चे की देखभाल: दिव्यांग बच्चों के लिए चिकित्सा शिविर

हम दिव्यांग बच्चों के लिए एक समर्पित चिकित्सा शिविर आयोजित करने के लिए उत्साहित हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उन्हें वह विशेष स्वास्थ्य सेवा और सहायता मिले जिसके वे हकदार हैं। इस पहल का उद्देश्य उनकी विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए चिकित्सा पेशेवरों द्वारा व्यापक स्वास्थ्य जांच, शीघ्र निदान और विशेषज्ञ मार्गदर्शन प्रदान करना है। सुलभता और समग्र कल्याण पर ध्यान केंद्रित करते हुए, शिविर में परामर्श, चिकित्सा सिफारिशें और सहायक उपकरणों का मूल्यांकन किया जाएगा, जिससे बच्चों और उनके परिवारों को स्वस्थ भविष्य के लिए उचित संसाधनों के साथ सशक्त बनाया जा सके। इस प्रयास के माध्यम से, हम सभी के लिए एक समावेशी और सहायक स्वास्थ्य सेवा वातावरण बनाने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं।

माता-पिता को सशक्त बनाना: समावेशी देखभाल हेतु आवासीय प्रशिक्षण

गिफ्टएबल्ड ने 24-25 फरवरी, 2025 को बलरामपुर में एक अभिभावक आवासीय प्रशिक्षण का सफलतापूर्वक आयोजन किया, जिसमें दिव्यांग बच्चों के माता-पिता को समृद्ध और सशक्त अनुभव के लिए एकत्रित किया गया। इस दो दिवसीय कार्यक्रम का उद्देश्य माता-पिता को व्यावहारिक कौशल, ज्ञान और भावनात्मक समर्थन प्रदान करना था, ताकि वे घर पर एक पोषण और समावेशी वातावरण को बढ़ावा दे सकें।

इंटरैक्टिव सत्रों, विशेषज्ञों द्वारा संचालित चर्चाओं और व्यावहारिक गतिविधियों के माध्यम से, माता-पिता को प्रभावी देखभाल, चिकित्सा तकनीकों और अपने बच्चे के विकास को बढ़ाने की रणनीतियों के बारे में जानकारी प्राप्त हुई। प्रशिक्षण ने माता-पिता को अनुभव साझा करने, एक मजबूत समर्थन नेटवर्क बनाने और अपने बच्चों की आवश्यकताओं की वकालत करने में आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए एक मंच भी प्रदान किया।

यह पहल गिफ्टएबल्ड के परिवारों को सशक्त बनाने और दिव्यांग बच्चों के समग्र विकास को प्रोत्साहित करने की हमारी निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती है। हम भविष्य में भी इस प्रकार के प्रभावशाली जुड़ाव को जारी रखने की आशा करते हैं!